

VECTOR-BORNE DISEASES

VECTORS MAY BE A THREAT TO YOU, AT HOME AND WHEN TRAVELLING

VECTORS ARE SMALL ORGANISMS THAT CARRY SERIOUS DISEASES



WITH JUST 1 BITE they can transmit diseases such as:

- Malaria
- Leishmaniasis
- Yellow fever
- Dengue
- Lyme disease
- Japanese encephalitis



Diseases spread by vectors **kill a million people** every year and **more than half of the world's population is at risk**

TAKE SIMPLE MEASURES TO PROTECT YOURSELF AND YOUR FAMILY

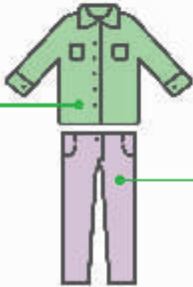
Get vaccinated against yellow fever and Japanese encephalitis



Install



WINDOW SCREENS



Wear light-coloured, long-sleeved shirts and trousers



Use Insect repellent

Sleep under an insecticide-treated bed net



Get rid of stagnant water from places where mosquitoes breed, such as in old containers, flower pots and used tyres



Since 1991
Dr. B. Lal
Clinical Laboratory
Serves Best, Serves All

Corporate office & Central Laboratory:
Dr. B. Lal Clinical Laboratory Pvt. Ltd.
6E, Malviya Industrial Area, Malviya Nagar, Jaipur-17.
Website: www.blallab.com, E-mail: customercare@blallab.com

NABL Accredited



Certificate no. MC-2866

Customer Care No: +91-9166125555

वेक्टर जनित रोग

छोटे जीव , बड़ा खतरा

तथ्य

- वेक्टर वह छोटे-छोटे जीव है जो बीमारियों को एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्तियों में और एक जगह से दूसरी जगह पर फैलाने की क्षमता रखते हैं जैसे मच्छर, मक्खी, कीड़े खटमल, मीठे पानी के घोंघे आदि।
- घर के भीतर या बाहर या किसी यात्रा दौरान यह रोगवाहक जीव कहीं भी हमारे बीमार होने का कारण बन सकते हैं।
- वेक्टर जनित रोगों में सबसे आम है मलेरिया जिसने वर्ष 2010 में तकरीबन 660000 व्यक्तियों की जान ली।
- सबसे ज्यादा तेजी से बढ़ने वाला वेक्टर जनित रोग डेन्गू पिछले 50 वर्षों में 30 गुना तेजी से फैला है।
- पूरी दुनिया की 40 प्रतिशत जनसंख्या में डेन्गू फैलने का खतरा है।

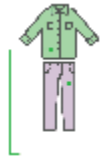


बचाव के उपयुक्त उपाय

- मच्छरों से बचाव के लिए मच्छर भगाने की क्रीम लगाये।
- किसी भी वेक्टर जनित रोग से संक्रमित जगह या इलाके में जाने से बचे।
- मच्छरों के लिए दिन का समय सबसे ज्यादा सक्रिय होता है। इसलिए खासतौर पर दिन के समय मच्छरों से बचाव का विशेष ध्यान रखे। इनमें प्रमुख रूप से डेन्गू व चिकनगुनिया फैलाने वाले मच्छर शामिल है।
- मलेरिया फैलाने वाले मच्छर मुख्यतः सवेरे या शाम के समय सक्रिय रहते हैं। मलेरिया ग्रसित इलाकों में इस समय मच्छरों से विशेष रूप से बचाव करे।
- अधिक मच्छरों वाले इलाको में उपयुक्त कपड़े पहने जिससे शरीर का कम भाग खुला रहे और मच्छरों के काटने की संभावना कम हो जाएँ
- मच्छर व कीड़ो को मारने व भगाने की दवा का छिडकाव कपड़ों पर करने से भी मच्छरों से बचा जा सकता है।
- घर के अन्दर आते समय शरीर व कपड़ो को झाडे व जूते साफ करें जिससे रोगवाहक जीवों की घर के अन्दर आने की संभावना से बचा जा सकता है।
- रात में सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करे।
- हवा और वातावरण में मौजूद रोगवाहक जीवों को मारने के लिए उपलब्ध स्प्रे का संभावित उपयोग करे।



window screens



रोगवाहक जनित सभी बीमारियाँ जानलेवा साबित हो सकती है। समय रहते इनकी जाँच कराए और उपयुक्त इलाज के लिए अपने डॉक्टर से परामर्श लें।